Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 15 July 2024

Dainik Jagran
Page - 04

चार करोड़ से बहुरेंगे संत कबीर हास्टल के दिन

मिलेगी आधुनिक सुविधा, राजकीय निर्माण निगम को विश्वविद्यालय ने सौंपी है जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी

- दूर होगी सीलन की समस्या, कमरे से लेकर बाथरूम तक की सुधरेगी दशा
- हास्टल की सबसे बड़ी समस्या सीलन की है इसे दूर करने के लिए एजेंसी से कहा गया है

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : छात्र सुविधा की दृष्टि से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एक सुधारात्मक कदम उठाया है। छात्रों के लिए बनाए गए अपने सबसे पुराने संत कबीर हास्टल के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया है। इसके लिए चार करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इस धनराशि से हास्टल की दशा सुधरने का काम शुरू हो गया है। कमरे से लेकर बाथरूम तक को ठीक कराया जा रहा है। उसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।

जीर्णोद्धार का काम विश्वविद्यालय ने निर्माण एजेंसी राजकीय निर्माण निगम को सौंपा है. एजेंसी ने विश्वविद्यालय की योजना को ध्यान में रखकर कार्य शुरू किया है। चूंकि हास्टल की सबसे बड़ी समस्या सीलन की है, ऐसे में एजेंसी को उसे हर हाल में दूर करने को कहा गया है। वायरिंग जर्जर हो जाने से आए दिन छात्रों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ता था, इसलिए जीर्णोद्धार के क्रम में नए सिरे से वायरिंग कराने की योजना भी बनाई गई है। योजना के मुताबिक हास्टल के कक्ष में रहने वाले छात्रों को लैपटाप और मोबाइल चार्ज करने के लिए अलग से साकेट की सुविधा दी जाएगी। पुराने हो चुके पंखे बदले जाएंगे। पानी रिसने वाली छतें दुरुस्त की जाएंगी। टूटे फर्श की दशा भी सुधारी जाएगी। टूटे दरवाजे बदले जाएंगे, हास्टल के गेट पर स्थापित संत कबीर की प्रतिमा को भी सजाया-संवारा जाएगा, जिससे परिसर का प्रवेश द्वार आकर्षक लगे. हास्टल के सामने की सड़क को भी बनाया जा रहा है. 150 कमरे वाला तीन तल का हास्टल करीब पांच दशक पुराना है. शोध छात्रों के लिए बनाए गए हास्टल के कक्ष वर्तमान में परास्नातक के विद्यार्थियों को आवंटित किए जाते हैं.

संत कबीर हास्टल में अभिरक्षक, अधीक्षक और निर्माण एजेंसी के अभियंताओं से निर्माण कार्य की जानकारी लेतीं गीदी की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ● जागरण

कुलपति ने किया निरीक्षण, दिए जरूरी निर्देश

हास्टल के अभिरक्षक प्रो. मनोज कुमार तिवारी के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने एक दिन पूर्व संत कबीर हास्टल में हो रहे कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हास्टल की कमियों को जाना और जीर्णोद्धार के क्रम में उन्हें दूर करने का निर्देश दिया। कुलपति के निर्देश के बाद अभिरक्षक ने कार्यदायी एजेंसी राजकीय निर्माण निगम के अभियंताओं के साथ बैठक की और उन्हें हास्टल के संरचनात्मक कमियों की जानकारी दी। उन्होंने एजेंसी द्वारा किए जाने वाले निर्माण कार्य की जानकारी भी ली।

संत कबीर हास्टल काफी पुराना हो गया है, इसलिए उसका जीर्णोद्धार जरूरी हो गया था। ऐसे में चार करोड़ की लागत से हास्टल का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। निर्माण एजेंसी ने कार्य शुरू कर दिया है। बहुत जल्द यह हास्टल नए कलेवर में नजर आएगा।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

Inext Page - 04

Amar Ujala
Page - 06

डीडीयू का कैलेंडर जारी...11 नवंबर से होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

शासनादेश के अनुसार गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शुरू कर दिया है सत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए अपना कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार सत्र की शुरुआत भी हो गई है। इस बार विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 11 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है। उसके एक हफ्ते पहले कोर्स पूरा हो जाएगा।

विश्वविद्यालय में सत्र को नियमित करने के लिए काफी समय से प्रयास किया जा रहा था, लेकिन कभी प्रवेश तो कभी परीक्षा में देरी की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा था। अब शासनादेश के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। तृतीय, पंचम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम 20 अक्तूबर तक पूरा करने की योजना है। इसके बाद 31 अक्तूबर तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।

11 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच सेमेस्टर परीक्षाएं संपन्न हो जाएंगी। इसके परिणाम भी पांच जनवरी तक घोषित हो जाएंगे। नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं भी दो नवंबर तक चलाने की योजना है। सम सेमेस्टर की पढ़ाई छह जनवरी से शुरू होगी। इनकी परीक्षाएं 11 अप्रैल से 10 मई तक चलेंगी।

15 दिनों का होगा शीतावकाश : विश्वविद्यालय में इस बार 15 दिनों का शीतावकाश होगा। पिछली बार शीतावकाश को रद्द कर दिया था, लेकिन शासनादेश आने के बाद इसे 10 दिन किया गया था। शीतावकाश रद्द करने को लेकर कॉलेज के शिक्षकों ने काफी विरोध किया था। सत्र 2024-25 में 21 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतावकाश रहेगा।

कैलेंडर के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। इस सत्र में कक्षाओं के संचालन और विद्यार्थियों के कौशल विकास पर जोर रहेगा। परीक्षा परिणाम भी अब समय से आने लगे हैं। इसके साथ ही बहुत जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी। उनके लिए एक दीक्षारंभ कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

Hindustan
Page - 08

राज्य उच्च शिक्षा परिषद ने जारी किया शैक्षणिक कैलेंडर

हर सेमेस्टर में 90 दिन कक्षा के बाद ही परीक्षाएं

शासनादेश

- प्रदेश में एक साथ पढ़ाई, परीक्षा व परिणाम के लिए की गई पहल
- 11 नवंबर से विषम, 11 अप्रैल से सम सेमेस्टर की परीक्षाएं

गोरखपुर, निज संवाददाता। प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में एक साथ पढ़ाई, परीक्षाएं और परिणाम घोषित हो, इसके लिए उप्र राज्य उच्च शिक्षा परिषद ने सत्र 2024-25 का शैक्षणिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके मुताबिक 25 जुलाई से यूजी व पीजी के नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू होंगी। डीडीयू के अपने कैलेंडर में भी करीब इसी तरह की व्यवस्था की गई है।

अलग-अलग विश्वविद्यालयों में अलग-अलग वजहों से प्रायः नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं प्रायः समय से नहीं शुरू हो पाती हैं। उधर, परीक्षाएं समय से कराने का दबाव होता है। छात्र-छात्राएं अक्सर आरोप लगाते रहते हैं कि उनका पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो पाया। एनईपी के प्रावधानों के मुताबिक हर सेमेस्टर में 90 दिन कक्षाएं संचालित होनी चाहिए। इसे देखते हुए उच्च शिक्षा परिषद ने सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को समय से कक्षाएं शुरू करने का आदेश दिया है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में इसी हफ्ते काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होनी है। इसे देखते हुए माना जा रहा है कि विश्वविद्यालय में समय से कक्षाएं संचालित होने लगेंगी। हालांकि कई कॉलेजों में अभी प्रवेश फॉर्म भरे जा रहे हैं, इसलिए वहां कक्षाएं शुरू होने में विलंब हो सकता है।

कैलेंडर के मुताबिक विषम सेमेस्टर की कक्षाएं 2 नवंबर तक पूरी हो जानी चाहिए। उससे पहले प्रायोगिक परीक्षाएं पूर्ण करा लेनी है। विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 11 नवंबर से शुरू होकर 10 दिसंबर तक चलेंगी। पांच जनवरी तक तक परिणाम घोषित कर दिए जाएं। सम सेमेस्टर की कक्षाएं 6 जनवरी से शुरू होंगी। सेमेस्टर परीक्षाएं 11 अप्रैल से 10 मई तक पूर्ण कर लेना है। 15 जून तक सभी परीक्षा परिणाम घोषित कर देना है।

15 दिनों का होगा शीतावकाश

उच्च शिक्षा विभाग के कैलेंडर के मुताबिक विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में इस बार 15 दिनों का शीतावकाश होगा। पिछले वर्ष विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा शीतावकाश खत्म करने को लेकर काफी हंगामा हुआ था। बाद में शासनादेश आने के बाद 10 दिन का शीतावकाश घोषित किया गया था। शासनादेश के मुताबिक 21 दिसंबर से 5 जनवरी तक शीतावकाश रहेगा। ग्रीष्मावकाश 1 से 30 जून तक यानी 30 दिन का होगा।

"शासन द्वारा जारी कैलेंडर का पालन किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने अपना भी शैक्षणिक कैलेंडर बनाया है। इन दोनों में काफी समानताएं हैं। सत्र के नियमित संचालन के लिए काफी प्रयास किए जा रहे हैं। छात्रों को समय से मार्कशीट और डिग्री मिले, इस दिशा में कोशिश की जा रही है।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

जीर्णोद्धार राजकीय निर्माण निगम को सौंपी गई है जिम्मेदारी

चार करोड़ से चमकेगा डीडीयू का हॉस्टल

दूर होगी सीलन की समस्या, कमरे से लेकर बाथरूम तक की सुधरेगी दशा

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (14 July): छात्र सुविधा की दृष्टि से दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने एक सुधारात्मक कदम उठाया है. छात्रों के लिए बनाए गए अपने सबसे पुराने संत कबीर हास्टल के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया है. इसके लिए, चार करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं. इस धनराशि से हास्टल की दशा सुधारने का काम शुरू हो गया है. कमरे से लेकर बाथरूम तक को ठीक कराया जा रहा है. उसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है.

जीर्णोद्धार का काम विश्वविद्यालय ने निर्माण एजेंसी राजकीय निर्माण निगम को सौंपा है. एजेंसी ने विश्वविद्यालय की योजना को ध्यान में रखकर कार्य शुरू किया है.

चूंकि हास्टल की सबसे बड़ी समस्या सीलन की है, ऐसे मे एजेंसी को उसे हर हाल में दूर करने को कहा गया है. वायरिंग जर्जर हो जाने से आए दिन छात्रों को बिजली की समस्या से जूझना पड़ता था, इसलिए जीर्णोद्धार के क्रम में नए सिरे से वायरिंग कराने की योजना भी बनाई गई है.

पांच दशक पुराना है हॉस्टल

योजना के मुताबिक हास्टल के कक्ष में रहने वाले छात्रों को लैपटाप और मोबाइल चार्ज करने के लिए अलग से साकेट की सुविधा दी जाएगी. पुराने हो चुके पंखे बदले जाएंगे. पानी रिसने वाली छते दुरुस्त की जाएंगी. टूटे फर्श की दशा भी सुधारी जाएगी. टूटे दरवाजे बदले जाएंगे, हास्टल के गेट पर स्थापित संत कबीर की प्रतिमा को भी सजाया-संवारा जाएगा, जिससे परिसर का प्रवेश द्वार आकर्षक लगे. हास्टल के सामने की सड़क को भी बनाया जा रहा है. 150 कमरे वाला तीन तल का हास्टल करीब पांच दशक पुराना है. शोध छात्रों के लिए बनाए गए हास्टल के कक्ष वर्तमान में परास्नातक के विद्यार्थियों को आवंटित किए जाते है.

वीसी ने किया निरीक्षण

हास्टल के अभिरक्षक प्रो. मनोज कुमार तिवारी के साथ कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने एक दिन पूर्व संत कबीर हास्टल में हो रहे कार्य का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने हास्टल की कमियों को जाना और जीर्णोद्धार के क्रम में उन्हे दूर करने का निर्देश दिया. कुलपति के निर्देश के बाद अभिरक्षक ने कार्यदायी एजेंसी राजकीय निर्माण निगम के अभियंताओं के साथ बैठक की और उन्हे हास्टल के संरचनात्मक कमियों की जानकारी दी. उन्होंने एजेंसी द्वारा किए जाने वाले निर्माण कार्य की जानकारी भी ली.

"संत कबीर हास्टल काफी पुराना हो गया है, इसलिए उसका जीर्णोद्धार जरूरी हो गया था. ऐसे में चार करोड़ की लागत से हास्टल का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है. निर्माण एजेंसी ने कार्य शुरू कर दिया है. बहुत जल्द यह हास्टल नए कलेवर में नजर आएगा.

प्रो. पूनम टंडन, वीसी, डीडीयूजीयू

Rashtriya Sahara Page - 06

सांस्कृतिक दृष्टिकोण से समृद्ध है यह शहर : कुलपति

गोरखपुर (एसएनबी)। अभियान थिएटर ग्रुप द्वारा अभियान रूम थिएटर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसी वर्ष अभियान थिएटर ग्रुप के चार रंगकर्मियों का चयन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली में हुआ है। इस दौरान इनका सम्मान किया गया।मुख्य अतिथि दीदउ गोविवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने चयनित कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह शहर सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने कहा कि रंगमंच के क्षेत्र में अभियान थिएटर ग्रुप ने पूरे देश में एक इतिहास रचा है। छात्रों को पढ़ाई के अतिरिक्त सांस्कृतिक एवं खेलकूद जैसी अन्य अनौपचारिक गतिविधियों से जुड़े रहना बहुत जरूरी है। अध्यक्षता करते हुए डा. वेद प्रकाश पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में चयन अत्यंत दुरूह है, परंतु अभियान के द्रोणाचार्य श्रीनारायण पांडे के संरक्षण और निर्देशन ने इन रंगकर्मियों के चयन को सहज बना दिया। डा. हर्षवर्धन राय ने कहा कि अभियान थिएटर ग्रुप ने पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगमंच के क्षेत्र में एक ऐसा इतिहास रचा है जो पूरे देश में सदैव याद किया जाएगा।डा. ब्रजेंद्र नारायण ने कहा कि अभियान थिएटर ग्रुप की विशेषता है कि यहां रंगमंच के प्रत्येक विधाओं का प्रशिक्षण होता है और यहां के रंगकर्मी प्रत्येक विधाओं में दक्ष होते हैं। इस संस्था की कार्य संस्कृति अनुकरणीय है। प्रो. ओ.पी. सिंह, डा. यशवंत राव ने भी विचार व्यक्त किया। अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद अभियान के अध्यक्ष श्रीनारायण पांडे व संचालन जय गुप्ता ने किया। इस अवसर पर गोरखपुर रंग महोत्सव 2024 की विवरणिका का लोकार्पण भी किया गया और चयनित रंग कर्मियों पूर्णिमा शर्मा, अवधेश यादव, सत्यम कुशवाहा और मोहम्मद बादशाह ने अपनी रंगमंचीय यात्रा के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर राकेश श्रीवास्तव, हरी प्रसाद सिंह, मानवेंद्र त्रिपाठी, प्रदीप,अशोक महर्षि, सत्यनारायण पथिक,अर्पिता उपाध्याय,नवीन पांडे, प्रवीण श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, विनोद राय, माधवेंद्र पांडे, शैलेश त्रिपाठी आदि रंग प्रेमी और अभियान थिएटर ग्रुप के कलाकार उपस्थित थे।

Amar Ujala Select
Page - 04

कैलेंडर जारी...11 नवंबर से होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

शासनादेश के अनुसार गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शुरू कर दिया है सत्र

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए अपना कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके अनुसार सत्र की शुरुआत भी हो गई है। इस बार विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी 11 नवंबर से शुरू करने की तैयारी है। उसके एक हफ्ते पहले कोर्स पूरा हो जाएगा।

विश्वविद्यालय में सत्र को नियमित करने के लिए काफी समय से प्रयास किया जा रहा था, लेकिन कभी प्रवेश तो कभी परीक्षा में देरी की वजह से ऐसा नहीं हो पा रहा था। अब शासनादेश के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। तृतीय, पंचम सेमेस्टर का पाठ्यक्रम 20 अक्तूबर तक पूरा करने की योजना है। इसके बाद 31 अक्तूबर तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।

11 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच सेमेस्टर परीक्षाएं संपन्न हो जाएंगी। इसके परिणाम भी पांच जनवरी तक घोषित हो जाएंगे। नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं भी दो नवंबर तक चलाने की योजना है। सम सेमेस्टर की पढ़ाई छह जनवरी से शुरू होगी। इनकी परीक्षाएं 11 अप्रैल से 10 मई तक चलेंगी।

"कैलेंडर के अनुसार सत्र की शुरुआत हो गई है। इस सत्र में कक्षाओं के संचालन और विद्यार्थियों के कौशल विकास पर जोर रहेगा। परीक्षा परिणाम भी अब समय से आने लगे हैं। इसके साथ ही बहुत जल्द प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर नव प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं शुरू कर दी जाएंगी। उनके लिए एक दीक्षारंभ कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

15 दिनों का होगा शीतावकाश : विश्वविद्यालय में इस बार 15 दिनों का शीतावकाश होगा। पिछली बार इसे लेकर काफी हंगामा हुआ था।

विश्वविद्यालय ने शीतावकाश को रद्द कर दिया था, लेकिन शासनादेश आने के बाद इसे 10 दिन किया गया था। शीतावकाश रद्द करने को लेकर कॉलेज के शिक्षकों ने काफी विरोध किया था। सत्र 2024-25 में 21 दिसंबर से पांच जनवरी तक शीतावकाश रहेगा।

एमएमएमयूटी की छात्रा अदिति को मिला 32 लाख का पैकेज

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीटेक कंप्यूटर साइंस की छात्रा अदिति श्रीवास्तव को फिलपकार्ट में 32 लाख रुपये का पैकेज मिला है। अदिति सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय की अधिकतम पैकेज पाने वाली दूसरी विद्यार्थी बन गई है। सोफिया सिंह को सर्विस नाउ में 42 लाख रुपये का पैकेज मिल चुका है। इससे पहले अदिति को वालमार्ट ने भी 22 लाख का पैकेज ऑफर किया था। एमएमएमयूटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. वीके द्विवेदी ने बताया कि सत्र 2023-24 में अब तक कुल 802 विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट मिल चुका है।

अदिति श्रीवास्तव

भोजपुरी भाषा ही नहीं, संस्कृति भी है: प्रो.चित्तरंजन

गोरखपुर। भोजपुरी सिर्फ बोली, भाषा नहीं, एक संस्कृति भी है, जिसके बाजार वाद के कारण बड़ी ही तेजी से लोप हो रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है। इसे किस तरह बचाकर रखा जाए, इस पर विचार करके कदम उठाना ही होगा। उक्त बातें गोरखपुर विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कही। वह रविवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के सभागार में साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था 'भोजपुरी संगम' की ओर से आयोजित स्व. कवि सत्य नारायण मिश्र 'सत्तन' की स्मृति में आयोजित 'सत्तन सम्मान समारोह' को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। संस्था की ओर से इस वर्ष का सम्मान कुशीनगर के वयोवृद्ध कवि नथुनी प्रसाद कुशवाहा उर्फ रामपति रसिया को मानपत्र, शॉल और पुस्तक देकर किया। संवाद

संत कबीर छात्रावास के जीर्णोद्धार का काम शुरू

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के संत कबीर छात्रावास के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए चार करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। जीर्णोद्धार का काम विश्वविद्यालय ने निर्माण एजेंसी राजकीय निर्माण निगम को सौंपा है। एजेंसी ने विश्वविद्यालय की योजना को ध्यान में रखकर कार्य शुरू किया है। छात्रावास में सीलन की समस्या को हर हाल में दूर करने को कहा है। संवाद

भोजपुरी भाषा ही नहीं, संस्कृति भी

गोरखपुर। भोजपुरी केवल भाषा ही नहीं बल्कि यह संस्कृति भी है, जिसका बाजारवाद के कारण बड़ी ही तेजी से लोप हो रहा है। यह बातें डीडीयू हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कही। वह रविवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब में साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था 'भोजपुरी संगम' की ओर से आयोजित स्व. कवि सत्य नारायण मिश्र 'सत्तन' की स्मृति में आयोजित 'सत्तन सम्मान समारोह' को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे।

तीन माह में चमकने लगेगा छात्रावास

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संतकबीर छात्रावास की सूरत तीन महीने में बदल जाएगी। इसे लेकर कार्यों में तेजी लाए जाने का निर्देश दिया गया है। इसका जीर्णोद्धार शासन द्वारा 4 करोड़ रुपये से हो रहा है।

संत कबीर छात्रावास के जर्जर होने के कारण डीडीयू प्रशासन ने शासन से जीर्णोद्धार कराए जाने की मांग की थी। जीर्णोद्धार का कार्य राजकीय निर्माण निगम करा रहा है। इसके तहत सिविल वर्क, इलेक्ट्रिकल वर्क, पेयजल व्यवस्था और प्लंबरिंग का कार्य होना है। छात्रावास में सबसे ज्यादा समस्या सीलन और प्लास्टर उखड़ने की थी। इसके अलावा विद्युतीकरण भी कराया जाना था। कई कक्षों के दरवाजे, खिड़कियां उखड़ गई हैं। कुल 150 कमरे वाले तीन तल का यह छात्रावास करीब पांच दशक पुराना है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि गुणवत्तापूर्ण कार्य का निर्देश कार्यदायी संस्था को दिया गया है।